चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30.5.21	3	3-6

किसानों के लिए संघर्षरत रहे चौ. चरण सिंह : वीसी

जागरण संवाददाता, हिसार: देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे।

ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भांति जानते थे। यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। उन्होंने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पुण्य तिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

देश के विकास का रास्ता गांवों से होकर जाता है : कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं, तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है।

देश के विकास का रास्ता गांवों के खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी, देश की प्रगति संभव नहीं है।

ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया।कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि राष्ट्र तभी संपन्न हो सकता है, जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया गया हो तथा ग्रामीण क्षेत्र की आमदनी अधिक हो।

चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। ● विज्ञप्ति

राजनेता के साथ अच्छे लेखक भी थे पूर्व प्रधानमंत्री

कुलपति ने कहा कि राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह पेश किया। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता व निदेशकों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम समारोह में कोरोना महामारी के चलते सामाजिक दूरी, सैनिटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.5.21	2	3-6

स्व. चौधरी चरण सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित कर एचएयू के वीसी ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

पूर्व पीएम ने कहा था, देश के विकास का रास्ता गांवों के खेतों से होकर गुजरता है

भास्कर न्यूज | हिसार

देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भांति जानते थे। यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे शनिवार को

पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पुण्य तिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद बोल रहे थे। वीसी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। देश के विकास का रास्ता गांवों के खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है।

कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना उनका मानना था कि राष्ट्र तभी संपन्न हो सकता है जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया गया हो तथा ग्रामीण क्षेत्र की आमदनी अधिक हो। कार्यक्रम समारोह में कोरोना महामारी के चलते सामाजिक दूरी, सेनिटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया।

पुण्यतिथि पर अनेक संगठनों ने दी श्रद्धांजलि

हिसार | पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 34वीं पुण्यतिथि पर अनेक संगठनों व संस्थाओं ने शनिवार को हकृवि में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के युवा प्रदेशाध्यक्ष विरेंद्र नरवाल ने कहा कि चौधरी चरण सिंह गांव, गरीब और किसानों के मसीहा थे। पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं, तभी थालियों तक पहुंच पाता है। इस मौके पर संस्थाओं और संगठनों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30.5.21	4	1-2

जीवन भर किसान, कमेरा वर्ग के लिए संघर्षरत रहे चौ. चरण सिंह : प्रो. बीआर कांबोज

हिसार (ब्यूरो)। पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह जीवन पर्यंत किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार से होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भांति जानते थे। उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया। ये विचार चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहे। वे शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पुण्य तिथि पर

विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। देश के विकास का रास्ता गांवों के खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। वे जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। यह विश्वविद्यालय उनकी नीतियों , उनकी सोच के अनुरूप देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता व निदेशकों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30.5.21	4	3-4

'जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों के लिए संघर्षरत रहे चौधरी चरण सिंह'

हिसार, 29 मई (पंकेस): पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भांति जानते थे।

यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे।

वे शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34 वीं पुण्य तिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्य तिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.05.2021	--	--

जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों के लिए संघर्षरत रहे चौधरी चरण सिंहः प्रोफेसर काम्बोज

पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भांति जानते थे। यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पुण्य तिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। देश के विकास का रास्ता गांवों के खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। वे जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। कुलपति महोदय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना उनका मानना था कि राष्ट्र तभी संपन्न हो सकता है जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया गया हो तथा ग्रामीण क्षेत्र की आमदनी अधिक हो।

हिसार। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्य तिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

राजनेता के साथ अच्छे लेखक भी थे चरण सिंह

उन्होंने कहा कि राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह पेश किया। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता व निदेशकों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम समारोह में कोरोना महामारी के चलते सामाजिक दूरी, सेनिटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभछोर	29.05.2021	--	--

पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह को दी श्रद्धांजलि

हिसार/29 मई/रिपोर्टर

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भांति जानते थे। यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहे। वे आज पूर्व प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। देश के विकास का रास्ता गांवों के खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। वे जीवनपर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि राष्ट्र तभी संपन्न हो सकता है जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया गया हो तथा ग्रामीण क्षेत्र की आमदनी अधिक हो। उन्होंने कहा कि राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। कार्यकाल के दौरान चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह पेश किया। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा यदि हम चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता व निदेशकों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	**29.5.2021**	--	--

सार समाचार

जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों के लिए संघर्षरत रहे चौधरी चरण सिंहः प्रो. काम्बोज

पल पल न्यूजः हिसार, 29 मई। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण

वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भांति जानते थे। यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पुण्य तिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। देश के विकास का रास्ता गांवों के खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। वे जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। कुलपति महोदय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना उनका मानना था कि राष्ट्र तभी संपन्न हो सकता है जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया गया हो तथा ग्रामीण क्षेत्र की आमदनी अधिक हो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**29.04.2021**	--	--

जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों के लिए संघर्षरत रहे चौधरी चरण सिंह : प्रो. बी.आर. काम्बोज

पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

राजनेता के साथ अच्छे लेखक भी थे चरण सिंह

उन्होंने कहा कि राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह पेश किया। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता व निदेशकों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम समारोह में कोरोना महामारी के चलते सामाजिक दूरी, सेनिटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया।

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 मई : देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भांति जानते थे। यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पुण्य तिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। देश के विकास का रास्ता गांवों के खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। वे जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। कुलपति महोदय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना उनका मानना था कि राष्ट्र तभी संपन्न हो सकता है जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया गया हो तथा ग्रामीण क्षेत्र की आमदनी अधिक हो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	29.05.2021	--	--

जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों के लिए संघर्षरत रहे चौधरी चरण सिंह : प्रोफेसर काम्बोज

पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। ग्रामीण परिवेश में जन्म लेने व एक साधारण गरीब व किसान परिवार में पले-बढ़े होने के कारण वे किसानों व गरीब लोगों की समस्याओं को भली-भांति जानते थे। यही कारण है कि उन्हें किसानों का सच्चा मसीहा व हितैषी कहा गया। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे

शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री की 34वीं पुण्य तिथि पर विश्वविद्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि किसान जब खेत में मेहनत करके अनाज पैदा करते हैं तभी वह हमारी थालियों तक पहुंच पाता है। देश के विकास का रास्ता गांवों के खेतों व खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। ऐसे में किसानों का सम्मान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसानों के जीवन को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास किया। वे जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। कुलपति महोदय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का मानना उनका मानना था कि राष्ट्र तभी संपन्न हो सकता है जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का विकास किया गया हो तथा ग्रामीण क्षेत्र की आमदनी अधिक हो।

राजनेता के साथ अच्छे लेखक भी थे चरण सिंह

उन्होंने कहा कि राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए नीतियों का एक समूह पेश किया। कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिसके साथ चौधरी चरण सिंह का नाम जुड़ा है, उनकी नीतियों के अनुरूप देश के कृषि विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा यदि हम चौधरी चरण सिंह द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए देश, प्रदेश तथा किसानों की प्रगति में अपना योगदान देते हैं तो यह इस महान नेता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता व निदेशकों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम समारोह में कोरोना महामारी के चलते सामाजिक दूरी, सेनिटाइजेशन व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	30.5.21	3	3

किसानों के लिए करते रहे संघर्ष : कुलपति

हिसार (निस) : पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसान व कमेरा वर्ग के हितों व उनके उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। पूर्व प्रधानमंत्री का मानना था कि जब तक किसानों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी देश की प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनेता होने के साथ-साथ वह एक अच्छे लेखक भी थे।